



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
दिनांक १५.४.२५

दिनांक
४.४.२५

पृष्ठ संख्या
२

कॉलम
५-६

मूंग की किस्मों को बढ़ावा देने को स्टार एग्री सीड़िस कंपनी से समझौता



कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज विज्ञानियों की टीम के साथ • जागरण

जागरण संगटाना • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए राजस्थान की स्टार एग्री सीड़िस कंपनी के साथ दो समझौतों के ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा

विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे, इसके लिए विभिन्न राज्यों की कंपनियों के साथ समझौते (एमओयू) किए जा रहे हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूंग की दो किस्में, एम एच 1762 एवं एम एच 1772 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इन किस्मों का विश्वसनीय बीज मिल सकें और पैदावार में इजाफा हो सकें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैरियाँ, मूर्मन	४. ५. २५	१	२-४

इससे बीज का उत्पादन व
विपणन करने का अधिकार
प्राप्त होगा

हरिभूमि न्यूज़ ||| हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा
विकसित मूँग की उन्नत किस्मों की
मांग लगातार बढ़ती जा रही है।
इसके लिए विश्वविद्यालय ने
तकनीकी व्यवसायीकरण को
बढ़ावा देते हुए राजस्थान की स्टार
एग्री सीड़िस कंपनी के साथ दो
समझौतों के ज्ञापन पर हस्ताक्षर
किए हैं। कुलपति प्रो. बीआर
काम्बोज ने बताया कि
विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत
किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक
पहुंचे, इसके लिए विभिन्न राज्यों
की कंपनियों के साथ समझौते
(एमओबी) किए जा रहे हैं। उपरोक्त
समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा
विकसित मूँग की दो किस्मों, एम एच 1762 एवं एमएच 1772 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इन
किस्मों का विश्वसनीय बीज मिल सके। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा राजस्थान की स्टार एग्री सीड़िस कंपनी की तरफ से डॉ. विक्रांत खरे ने हस्ताक्षर किए हैं।



हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज वैज्ञानिकों की टीम के साथ।

एच 1762 एवं एमएच 1772 का
बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक
पहुंचाएगी ताकि उन्हें इन किस्मों का

विश्वसनीय बीज मिल सके और
उनकी पैदावार में इजाफा हो सके।
विश्वविद्यालय की ओर से समझौता

ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डॉ.
राजबीर गर्ग ने तथा राजस्थान की
स्टार एग्री सीड़िस कंपनी की तरफ से

डॉ. विक्रांत खरे ने हस्ताक्षर किए व
उनके साथ आशीष सिंह उपस्थित
रहे। स्नातकोत्तर शिक्षा अधिकारी

डॉ. केढ़ी शर्मा ने बताया कि
समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के
बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को

विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्मों ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे: कुलपति

**एचएयू की मूँग की किस्मों को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान
की स्टार एग्री सीड़िस कंपनी के साथ हुआ समझौता**

समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूँग की दो किस्मों, एम एच 1762 एवं एमएच 1772 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इन किस्मों का विश्वसनीय बीज मिल सके। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा राजस्थान की स्टार एग्री सीड़िस कंपनी की तरफ से डॉ. विक्रांत खरे ने हस्ताक्षर किए हैं।

कार्टवाई की गई

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि एम एच 1762 एवं एमएच 1772 किस्में पीला मैजैक एवं अन्य रोगों की प्रतिरोधी है। एम एच 1762 किस्म बसंत एवं गोमुक काल में भारत के उत्तर पश्चिमी मैदानी क्षेत्रों में विजाई के लिए व एच 1772 खरीफ में भारत के उत्तर पूर्वी मैदानी क्षेत्रों में काशत के लिए अनुमोदित की गई है। एम एच 1762 लगभग 60 दिनों में एवं एच 1772 लगभग 67 दिनों में एक साथ पक कर तैयार हो जाती हैं। इनके द्वारे घमकीले हरे रंग के मध्यम आकार के होते हैं। दोनों ही किस्में सभी प्रचलित किस्मों से 10-15 प्रतिशत अधिक पैदावार देती हैं। औसत उपज क्रमशः 14.5 विवर्टल तथा 13.5 विवर्टल प्रति हेक्टेयर है। वर्ष किस्में बेहतर प्रबल्यन से और भी अच्छे परिणाम देती है व मूँग की अधिकतर बीमारियों के रोगरोधी है।

लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व
विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इससे किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज मिल सकेगा।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. सुरेंद्र पाहुजा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय से डॉ. रेणू मुंजाल, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. अनुराग व डॉ. जितेन्द्र भाटिया, पौध प्रजनन विभागाध्यक्ष डॉ. गजराज दहिया आदि रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमृतज्ञाला	४ - ५ - २५	२	१-३

मूँग की किस्मों को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान की सीड कंपनी संग एचएयू ने किया समझौता

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से विकसित मूँग की उन्नत किस्मों को बढ़ावा देते हुए राजस्थान की स्टार एग्री सीइस कंपनी के साथ दो समझौतों के ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय की उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचाने के लिए विभिन्न राज्यों की कंपनियों के साथ समझौते (एमओयू) किए जा रहे हैं।

विकसित मूँग की दो किस्में, एम 1762 एवं एमएच 1772 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी, ताकि उन्हें इन किस्मों का विश्वसनीय बीज मिल



हिसार में एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज वैज्ञानिकों की टीम के साथ। ग्रोत: संस्थान

सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें। विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा राजस्थान की स्टार एग्री सीइस कंपनी की तरफ से डॉ. विक्रांत खेरे ने हस्ताक्षर किए व उनके साथ आशीष सिंह मौजूद रहे।

स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. केडी

शर्मा ने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इससे किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज मिल सकेगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उत्तर समाचार	४ - ५ - २१	५	६ - ७

हृषि की मूँग की किस्मों को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान की स्टार एग्री सीइस कंपनी के साथ हुआ समझौता

हिसार, 7 अप्रैल (विरेन्द्र वर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूँग की उत्तर किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायोकरण को बढ़ावा देते हुए राजस्थान की स्टार एग्री सीइस कंपनी के साथ दो समझौतों के ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उत्तर किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे, इसके लिए विभिन्न राज्यों की कंपनियों के साथ समझौते (एमओयू) किए जा रहे हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूँग की दो किस्मों, एम एच 1762 एवं एम एच 1772 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इन किस्मों का विश्वसनीय बीज मिल सके। और उनकी पैदावार में इजाफा हो सके। विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा राजस्थान की स्टार एग्री सीइस कंपनी की तरफ से डॉ. विक्रांत खरे ने हस्ताक्षर किए व उनके साथ आशीष सिंह उपस्थित रहे। स्नातकोत्तर शिक्षा अधिकारी डॉ. केडी शर्मा ने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब के सभी	४. ५. २५	५	७-८

हृकृति की मूँग की किस्मों को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान की कंपनी के साथ हुआ समझौता

हिसार, 7 अप्रैल (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूँग की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए राजस्थान की सीइस कंपनी के साथ दो समझौतों के ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे, इसके लिए विभिन्न राज्यों की कंपनियों के साथ समझौते (एमओयू) किए जा रहे हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूँग की दो किस्में, एम एच 1762 एवं एम एच 1772 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	07.04.25	--	--

हकृति की मूँग की किस्मों को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान की स्टार एग्री सीड़िस कंपनी के साथ हुआ समझौता



पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूँग की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए राजस्थान की स्टार एग्री सीड़िस कंपनी के साथ दो समझौतों के ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुँचे, इसके लिए विभिन्न राज्यों की कंपनियों के साथ समझौते (एमओयू) किए जा रहे हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूँग की दो किस्मों, एम एच 1762 एवं एम एच 1772 का बीज तैयार कर

कंपनी किसानों तक पहुँचाएगी ताकि उन्हें इन किस्मों का विश्वसनीय बीज मिल सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें।

विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा राजस्थान की स्टार एग्री सीड़िस कंपनी की तरफ से डॉ. विक्रांत खेरे ने हस्ताक्षर किए व उनके साथ आशीष सिंह उपस्थित रहे। स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा ने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि एम एच 1762 एवं एम एच 1772 किस्में पीला मोजैक एवं अन्य रोगों

की प्रतिरोधी है। एम एच 1762 किस्म बरसात एवं ग्रीष्म काल में भारत के उत्तर पश्चिमी मैदानी क्षेत्रों में बिजाई के लिए व एम एच 1772, खरीफ में भारत के उत्तर पूर्वी मैदानी क्षेत्रों में काशत के लिए अनुमोदित की गई है। एम एच 1762 लगभग 60 दिनों में एवं एम एच 1772 लगभग 67 दिनों में एक साथ पक कर तैयार हो जाती हैं। इनके दाने चमकीले हो रंग के मध्यम आकार के होते हैं। दोनों ही किस्में सभी प्रचलित किस्मों से 10 -15 प्रतिशत अधिक पैदावार देती है। औसत उपज क्रमशः 14.5 किंवटल तथा 13 .5 किंवटल प्रति हेक्टेयर है। नई किस्में बेहतर प्रबंधन से और भी अच्छे परिणाम देती है व मूँग की अधिकतर बीमारियों के रोगरोधी है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डॉ. अनुल ढींगड़ा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ सुरेद पाहुजा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय से डॉ. रेणु मुंजाल, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ अनुराग व डॉ. जितेन्द्र भाटिया, पौध प्रजनन विभागाध्यक्ष डॉ. गजराज दहिया, दलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ राजेश यादव, डॉ. रविका व डॉ. उमा देवी उपस्थित रहे।



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय**

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	07.04.25	--	--

हकूमी की मूँग की किस्मों को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान की कंपनी के साथ हुआ समझौता



सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूँग की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए राजस्थान की स्टार एग्री सीडीस कंपनी के साथ दो समझौतों के ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक

पहुंचे, इसके लिए विभिन्न राज्यों की कंपनियों के साथ समझौते (एमओयू) किए जा रहे हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूँग की दो किस्मों, एम एच 1762 एवं एम एच 1772 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इन किस्मों का विश्वसनीय बीज मिल सके और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें।

विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान

निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा राजस्थान की स्टार एग्री सीडीस कंपनी की तरफ से डॉ. विक्रांत खेर ने हस्ताक्षर किए। स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा ने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इससे किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज मिल सकेगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	07.04.25	--	--

हकूमियों की मूँग की किस्मों को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान की स्टार एण्डी सीडीस कंपनी के साथ हुआ समझौता

विराग टाइप्स ब्रॉड

हिसार। नौरी चारण सिंह हरियाणा कृषि विकासालय द्वारा विकासित मूँग की उत्त किस्मों को मांग लागता बढ़ती जा रही है। इसके लिए विकासालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए राजस्थान की स्टार एंटी सोसाइटी कंपनी के साथ दो समझौतों के जापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

फुलपति प्रो. शे.आर. कान्योदाए ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उत्तर किम्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुँचे, इसके लिए विभिन्न राज्यों को कपणियों के साथ समझाते (एमओयू) किए जा रहे हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित मूँग की दो किम्मों, एम एच 1762 एवं एम एच 1772

का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इन किसानों का विभासनीय बीज मिल सकें और उनको ऐदावार में इजाफा हो सकें। विश्वविद्यालय जी ओर से समर्पित ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक द्वां गवर्नर गण ने तथा राजस्थान की स्टार पट्टी मार्गीदार कंपनी की तरफ से डॉ. विक्रांत खां ने हस्ताक्षर किए व उनके साथ आशीर्वाद मिले उत्तिष्ठित हो गया। शातकोत्तर रिक्षा अधिकारी डॉ. केडी शासन से बताया कि समर्पित

ज्ञान पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को साइंसेस फॉरम अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इससे किसानों को भी एक नई किसिय

का बीत मिल सकता

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजवीर गग्न ने बताया कि एम एच 1762 पर्व एम एच 1772 किम्भे पौल मोर्वेक एवं अन्य गोंडों की प्रतिरोधी है। एम एच 1762

विस्मय समये एवं ग्रीष्म काल में
भारत के उत्तर पश्चिमी पैदानी
स्थिरों में विद्युई के लिए व एम
एवं 1772, उत्तरक में भारत के
उत्तर पूर्वी पैदानी स्थिरों में जापन
के लिए अनुसूचित की गई है।

एम एच 1762 लगभग 60 दिनों में एवं एम पच 1772 लगभग 67 दिनों में एक साथ पक कर बैद्यर हो जाती है। इनके दोने चमकोले हो रहे के मध्यम आकार के होते हैं। दोनों ही किसी सभी प्रचालित किसीसे से 10-15 प्रतिशत अधिक पैदवार देती है। औसत उम्र उम्मण-

14.5 विवरण तथा 13.5 विवरण प्रति हेक्टेयर है। नई किम्मे बेहतर प्रबल्पन से और पी अच्छे परिणाम देती है यह मुग्गी की अधिकतर बोपारियों के रोगहोथी है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय को
ओर से औपचारी ढंग अनुल
ठींगहा, कृषि महाविद्यालय के
अधिकारी ढंग सुरेंद्र पाहुडा,
मीटिंग प्रबन्धकर ढंग संदीप
आर्य, मानव संसाधन प्रबन्धन
निदेशालय से डॉ. रेणु मुकुल, डॉ.
योगेश जिला, डंग अनुगम व डॉ.
जितेन्द्र भाटिया, पीड़ि प्रबन्धन
विभागाध्यक्ष ढंग, गजराज दीहा,
दलहन अनुभाग के अध्यक्ष ढंग
राजेश बादल, डॉ. रविका व डॉ.
उमा देवी उमस्थल थे।